

कक्षा-कस्यवीं विषय-हिंदी

बाल भारती विद्यालय, G.R.M. Marg.

(3)

अभ्यास कार्य :-

प्र०१ "सद्युर सद्युर सैरे दीपक जल" कविता के सौधूसरी से कवयित्री क्या कहना चाहती है ?

प्र०२ पतंगा दीपक को जलते देखकर अपना सिर क्यों धुनता है ?

प्र०३ "स्नेहहीन नित कितने दीपक" का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

प्र०४ आकाश में जलसय सागर क्या देखता है ?

प्र०५ बादलों को क्या विशेषता बताई गई है ?

प्र०६ "विश्व - शलभ" दीपक के साथ क्यों जल जाना चाहता है ?

प्र०७ सागर के लिए किस विशेषण का प्रयोग किया गया है ?

प्र०८ कवयित्री किसका पथ आलौकिक करना चाहती है ?

प्र०९ विश्व 'कवयित्री' के आस्था रूपी दीपक से क्या सोचा रहा है ?

प्र०१० प्रभाव स्पष्ट कीजिए :-

"हैं प्रकाश का सिंधु अपरिमित,
तेरे जीवन का अणु बाल-बाल"